

**M.Ed. SPECIAL EDUCATION MENTAL
RETARDATION (MEDSEMR)**

00544

Term-End Examination

December, 2019

**MMDE-065 : IDENTIFICATION AND ASSESSMENT
OF CHILDREN WITH MENTAL RETARDATION**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 75

*Note : Both Part A and Part B are **compulsory**. Allotted marks are given against the questions.*

PART A

*Answer any **three** of the following questions.*

1. Differentiate mental retardation from mental illness. 5
2. Highlight the role of special educators in rehabilitation programmes of children with mental retardation. 5
3. Observation is the most powerful tool of assessment of mental retardation. Justify this statement. 5
4. Critically examine the role of psychological assessment in the context of educational planning for persons with mental retardation. 5
5. Discuss the scope of speech language therapy practice in relation to children with mental retardation. 5

PART B

Answer any four of the following questions.

6. Describe Art therapy and the techniques for group and individual art therapy for children with mental retardation. 15
7. Explain educational assessment with its major purposes in relation to programme planning. 15
8. Discuss the role and types of screening tools in identification of mental retardation in children. 15
9. Describe the Portage Guide and its components in relation to its Indian adaptation (Upanayan and Arambh). 15
10. Highlight the role of a special educator in dealing with socio-cultural issues of children with mental retardation. 15
11. Elucidate the salient features of three main legislations ensuring empowerment of persons with disabilities in India. 15
12. Enlist the social and cultural characteristics of children with mental retardation and explain how they affect the planning of an intervention programme. 15
13. Give an account of various schemes under the Ministry of Social Justice and Empowerment (GoI) and their benefits to persons with mental retardation. 15

एम.एड. विशेष शिक्षा मानसिक मंदता
(एम.ई.डी.एस.ई.एम.आर.)

सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2019

एम.एम.डी.ई.-065 : मानसिक मंद बच्चों की पहचान एवं
आकलन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 75

नोट : भाग अ एवं भाग ब दोनों अनिवार्य हैं । प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सामने दिए गए हैं ।

भाग अ

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. मानसिक मंदता एवं मानसिक रोग में अन्तर स्पष्ट कीजिए । 5
2. मानसिक मंदता वाले बच्चों के पुनर्वास कार्यक्रमों में विशेष शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डालिए । 5
3. मानसिक मंदता के आकलन का सबसे प्रभावशाली उपकरण (टूल) प्रेक्षण (पर्यवेक्षण) है । इस कथन को न्यायोचित ठहराइए । 5
4. मानसिक मंदता वाले व्यक्तियों की शैक्षिक योजना के सन्दर्भ में मनोवैज्ञानिक आकलन की भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए । 5
5. मानसिक मंदता वाले बच्चों के सम्बन्ध में स्पीच लैंग्वेज थेरेपी व्यवहार के विषय-क्षेत्र की चर्चा कीजिए । 5

भाग ब

निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

6. आर्ट थेरेपी का वर्णन कीजिए एवं मानसिक मंदता वाले बच्चों के लिए समूह एवं वैयक्तिक आर्ट थेरेपी की तकनीकों का भी वर्णन कीजिए । 15
7. कार्यक्रम योजना (प्रोग्राम प्लानिंग) के सम्बन्ध में शैक्षणिक आकलन एवं इसके मुख्य उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए । 15
8. बच्चों में मानसिक मंदता की पहचान के लिए स्क्रीनिंग टूल्स की भूमिका एवं उनके प्रकारों की चर्चा कीजिए । 15
9. पोर्टेज गाइड एवं इसके विभिन्न अंगों का इसके भारतीय अनुकूलन (उपनयन एवं आरम्भ) के सम्बन्ध में वर्णन कीजिए । 15
10. मानसिक मंदता वाले बच्चों के साथ सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दों के सम्बन्ध में विशेष शिक्षक की भूमिका पर प्रकाश डालिए । 15
11. भारत में विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों को सुरक्षित करने वाले तीन मुख्य अधिनियमों की मुख्य विशेषताओं को बताइए । 15
12. मानसिक मंदता वाले बच्चों की सामाजिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं की सूची बनाइए एवं व्याख्या कीजिए कि यह किस प्रकार एक मध्यस्थता कार्यक्रम योजना को प्रभावित करती हैं । 15
13. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता (भारत सरकार) मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं एवं मानसिक मंदता वाले व्यक्तियों के लिए इनके लाभों का विवरण दीजिए । 15